जयपुर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड
खनिज भवन, तिलक मार्ग, सी–स्कीम, जयपुर–302005
दूरभाष 0141–5192134

जयपुर मेट्रो की चौथी ट्रेन के डिब्बे गुलाबी नगर पहुंचे

जयपुर, 05 सितम्बर। प्रदेश की प्रथम मेट्रो रेल परियोजना के लिए चौथी ट्रेन के डिब्बे [redacted] सुबह जयपुर में मानसरोवर डिपो पहुंचे गए। इसके साथ ही जयपुर मेट्रो के प्रथम चरण के लिए चार ट्रेनों के 16 डिब्बे गुलाबी नगर पहुंच चुके है।

जेएमआसी के सीएमडी श्री निहालचंद गोयल ने बताया कि जयपुर मेट्रो की चौथी ट्रेन के डिब्बों को गत 14 अगस्त को बैंगलोर से विशेष ट्रेलर के माध्यम से जयपुर के लिए रवाना किया गया था। ये डिब्बे सड़क मार्ग द्वारा 22 दिन में जयपुर पहुंचे है। जंयपुर मेट्रो की प्रथम तीन ट्रेनों की तरह ही इस ट्रेन के डिब्बों की कपलिंग के बाद डिपो में 'स्टेटिक व डायनेमिक टेस्ट' होंगे।

जयपुर मेट्रो के लिए भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड, बैंगलोर को कुल 10 ट्रेन के 40 डिब्बों के निर्माण का कार्य सौंपा हुआ है। इसमें से प्रथम ट्रेन गत 20 मई, दूसरी ट्रेन 5 जुलाई तथा तीसरी ट्रेन गत 23 अगस्त को गुलाबी नगर पहुंची थी। ये ट्रेने पूर्णतः भारत में डिजाईन और निर्मित है। एक ट्रेन में चार डिब्बे शामिल है। प्रत्येक डिब्बे की लागत 12.5 करोड़ रुपये है। इस प्रकार एक ट्रेन के लिए 50 करोड़ रुपये के हिसाब से 10 ट्रेनों पर 500 करोड़ रुपये की राशि खर्च की जा रही है।

प्रत्येक ट्रेन में दो ड्राईवर ट्रेलर कार तथा दो मोटर कार सम्मिलित है। एक ड्राईवर ट्रेलर कार में 315 व मोटर कार में 342 यात्री एक साथ सफर कर सकते हैं। इस प्रकार जयपुर मेट्रो की एक ट्रेन में 1314 यात्री एक साथ सफर कर सकेंगे। ये ट्रेन अधिकतम 85 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चलने में सक्षम है। मेट्रो ट्रेन में विशेष योग्यजनों, वरिष्ठ नागरिकों एवं महिलाओं के लिए विशेष सीटों का प्रावधान है। पूर्णतः वातानूकूलित ट्रेन के डिब्बों में सुरक्षा एवं सतर्कता की दृष्टि से चार क्लोज सर्किट टीवी कैमरा स्थापित है। यात्रियों को ट्रेन के संचालन के समय आगामी स्टेशनों के साथ ही अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां देने के लिए मेट्रो रेल में 'यात्री सूचना तंत्र' (पैसेंजर इंफॉरमेशन सिस्टम) स्थापित है।

मेट्रो के डिब्बों में 'डिस्क ब्रेक' तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, इससे ट्रेन को रोकते समय यात्रियों को झटके महसूस नहीं होंगे। इसके साथ ही प्रत्येक डिब्बे में 46 किलोवाट के दो हीटिंग वेंटिलेशन एवं एयर कंडीशनिंग सिस्टम लगाए गए हैं। ये भीषण गर्मी में प्रभावी कूलिंग तथा तीव्र सर्दी के मौसम में हीटिंग करते हुए यात्रियों को राहत प्रदान करेंगे। सुरक्षा और सतर्कता के लिहाज से भी जयपुर मेट्रो के डिब्बों में अत्याधुनिक और उन्नत तकनीक का प्रयोग किया गया है। मेट्रो में सफर कर रहे यात्री किसी भी आपात स्थिति में प्रत्येक डिब्बे में स्थापित 'पैसेंजर इमरजेंसी अलार्म हेंडिल' का प्रयोग कर सीधे 'ट्रेन आपरेटर' से बात कर सकते है। इसके अतिरिक्त चार आपात द्वार (इमरजेंसी एक्जिट) भी ट्रेन में बनाए गए है। किसी भी आपात स्थिति में यात्रियों की सहायता के लिए प्रभावी 'लाईटिंग सिस्टम' का भी प्रावधान है।

———